>

Title: Need to construct barrages over river Yamuna to meet the shortage of drinking water in Delhi.

श्री जय प्रकाश अग्रवाल (उत्तर पूर्व दिल्ली): महोदय, राजधानी दिल्ली में बाढ़ के दौरान जितना पानी आता है, यदि उसे एकत्र करने की व्यवस्था हो जाये तो सालभर दिल्ली में पीने के पानी की कमी नहीं आयेगी। दिल्ली विकास प्राधिकरण के पूर्व प्लानर ने इस बारे में काफी समय पूर्व एक योजना दी थी, जिसके अनुसार यमुना को गहरा करके उसे पक्का किया जाना था। दिल्ली में पल्ला से ओखला तक लगभग 50 कि0मी0 लंबी यमुना है, लेकिन पानी सिर्फ 21 किमी0 में ही बहता है। शेष यमुना सूखी रहती है, कहीं यमुना की चौड़ाई डेढ़ कि0मी0 है तो कहीं साढ़े तीन कि0मी0। इस योजना में यमुना के दोनों तरफ बांध बनाकर उसे निश्चित चौड़ाई तक पक्का करने की योजना थी। इस बांध का उपयोग जलाशय के रूप में होता और दिल्ली को पूरे वर्ष पानी मिलता। इस योजना पर वर्ष 1993 में काम भी प्रारंभ किया गया था, लेकिन उसके पश्चात इस योजना को बंद कर दिया गया।

एक अन्य योजना वर्ष 1997 में उपराज्यपाल को दी गई थी, जिसे सैद्धांतिक रूप में स्वीकार भी कर लिया गया था। इस योजना में वजीराबाद बैराज के उत्तर में दस कि0मी0 पहले ही जलाशय और वहीं पर नया बैराज भी बनाये जाने का प्रावधान था। विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि यदि ओखला में भी नए बैराज बनाए जाये तो यमुना का पानी सहेजकर रखा जा सकता है।

मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि राजधानी दिल्ली में पीने के पानी की समस्या के निदान के लिए उपर्युक्त कार्य योजनाओं के क्रियान्वयन पर शीघ्र विचार करक उसको अंतिम रूप दिया जाये।